17. संधि

संधि का अर्थ होता है– मेल या जोड़। व्याकरण में दो वर्णों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है या नया शब्द बनता है, उसे संधि कहते हैं। जब संधि युक्त शब्द को अलग-अलग किया जाता है तो उसे संधि-विच्छेद कहते हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों से पूछें, संधि से वे क्या अर्थ समझते हैं।
- ❖ छात्रों को संधि के बारे में बताते हुए वर्णों में संधि करना सिखाएँ।
- ❖ पृष्ठ 113 पर दिए चित्रों के शब्दों में संधि करके समझाएँ।
- ❖ संधि की परिभाषा बताएँ।
- ❖ संधि-विच्छेद किसे कहते हैं तथा यह कैसे किया जाता है। पृष्ठ 113 पर दिए उदाहरणों द्वारा समझाएँ।
- ❖ संधि के भेदों पर चर्चा करें और उसके तीनों भेद– स्वर संधि, व्यंजन संधि तथा विसर्ग संधि को स्पष्ट करें।
- ❖ बीच-बीच में कुछ शब्द बोलकर छात्रों से उनका संधि भेद पूछें।
- ❖ स्वर संधि के पाँचों भेदों से छात्रों को अवगत कराएँ।
- ❖ समझाएँ, स्वर संधि स्वरों के मिलने पर होती है। इनके नियमों का अभ्यास करने से इन्हें आसानी से समझा जा सकता है।
- ❖ पृष्ठ 114-117 तक स्वर संधि के सभी भेदों को विस्तार से समझाते जाएँ।
- ❖ व्यंजन संधि तथा विसर्ग संधि समझाएँ।
- ❖ सुनिश्चित करें कि छात्र संधि भली-भाँति समझ गए हैं।
- ❖ 'अब तक हमने सीखा' द्वारा विषय की पुनरावृत्ति करवा लें।
- ❖ अभ्यास जाँचें त्रुटि होने पर सुधार करवाएँ।